वो है श्यामधणी | by Mohit Saxena

हाथों को मेरे जिसने है थामा वो है श्यामधणी
विपदाओं से जिसने निकाला वो है श्यामधणी

तुम ही हो माता तुम ही पिता हो भाई तुम्ही हो तुम ही सखा हो
हाथों को अपने आगे बढ़ाओ मुझ बेबस को गले से लगाओ
अपने सखा की लाज जो राखे वो है श्यामधणी
हाथों को मेरे जिसने है थामा वो है श्यामधणी

सारी दुनिया का ठुकराया घूम लिया जग दर तेरे आया
दर तेरे आके सर को झुकाया आँखे थी बरसी मन हर्षाया
आंसू को मेरे जिसने था पोंछा वो है श्यामधणी
हाथों को मेरे जिसने है थामा वो है श्यामधणी

सूरज की गर्मी से लेकर फूलों की खुशबू तक तुम हो
जो भी हार दर तेरे आया उस हारे का सहारा तुम हो
मोहित के जीवन का सहारा वो है श्यामधणी
हाथों को मेरे जिसने है थामा वो है श्यामधणी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a5%8b-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae%e0%a4%a7%e0%a4%a3%e0%a5%80-by-mohit-saxena/